पाठ-10

बाघ और बटोही

उसने बाघ को देखा।
हूँ ऊँ, ऊँ! कंगन मैं ले तो लूँ पर तुम्हारे जैसे हिंसक जानवर का विश्वास कैसे करूँ?
तुम्हारा संदेह ठीक ही है। मैंने जिंदगी में बहुत पाप किए हैं। पर अब एक संन्यासी की सीख से बदल गया हूँ। तुम आकर कंगन ले जाओ।
मैं उधर आया तो मेरी गंध पाकर तुम संन्यासी की सीख भूल जाओगे।
नहीं भूलूँगा! फिर बूढ़ा हो गया हूँ- मेरे नाखून घिस गये हैं। तुम डरो मत। तालाब में उतरो और इधर आकर कंगन ले जाओ।
बटोही पर सोने का लालच ऐसा सवार हुआ कि बाघ का डर भूल गया।
लगता है बाघ सच कह रहा है!
मैं उस पार जाकर कंगन ले लूँ।

अमर चित्रकथा से साभार

अभ्यास-माला

1. 'बाघ और बटोही' कहानी को अपने शब्दों में बताओ।

2. प्रस्तुत चित्रकथा 'बाघ और बटोही' से हमें क्या सीख मिलती है ?

3. उत्तर लिखो :

(क) बूढ़े होने पर बाघ ने क्या तरकीब सोची ?

(ख) बाघ ने किसका लालच देकर बटोही को तालाब में फँसाया ?

(ग) बाघ की बातें सुनकर बटोही ने क्या किया ?

(घ) तालाब में उतरते ही बटोही का क्या हाल हुआ ?

(ङ) आखिरकार बाघ ने बटोही का क्या हाल किया ?

4. आओ, समूह में बैठकर वाक्य बनाने का खेल खेलें :

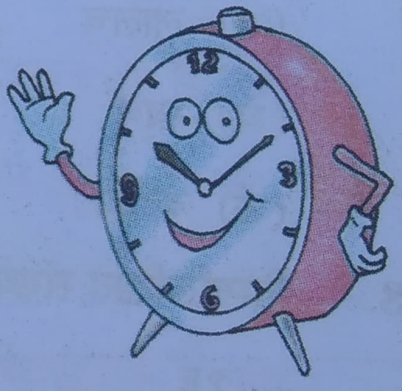

घड़ी – मेरे पास एक घड़ी है।

मेरी घड़ी सुनहली है।

उसके पास दो घड़ियाँ हैं।

इस प्रकार निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ :

किताब गाय मकान कलम बहन

5. इन्हें पढ़ो, समझो और लिखो :

(क) ष् + य = ष्य	मनुष्य	भविष्य	भाष्य
द् + ध = द्ध	.....	.....	.....
द् + य = द्य	.....	.....	.....
ष् + ट = ष्ट	.....	.....	.....

(ख) इ = ि	चित्र	शिकार	किताब
ई = ी	लड़की	.....	.....
उ = ु	बहुत	.....	.....
ऊ = ू	धूप	.....	.....

6. आओ, श्रुतलेख लिखें :

तुम्हारा संदेह ठीक ही है। मैंने जिंदगी में बहुत पाप किए हैं। पर अब एक संन्यासी की सीख से बदल गया हूँ। तुम आकर कंगन ले जाओ।

7. आओ, समान अर्थवाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाएँ :

(क) तालाब	लोभ
(ख) आसमान	पथिक
(ग) लालच	सोना
(घ) स्वर्ण	गगन
(ङ) बटोही	पोखर

8. निम्नलिखित संख्याओं को देखो और नीचे अक्षरों में लिखो :

१६	१५	२७	२१	१४
.....	.....	.....	.....	.....

9. आओ, यह भी जानें :

अमर इधर <u>आ</u>। उधर मत <u>जा</u>। किताब <u>ला</u>। अपना पाठ <u>पढ़</u>।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द <u>आ</u>, <u>ला</u>, <u>जा</u>, <u>पढ़</u> आदि क्रिया पद हैं। अब तुम भी इसी तरह तीन वाक्य बनाओ।

10. आओ, पढ़ें और समझें :

(क) हरि <u>को</u> बुलाओ।

(ख) गाय <u>को</u> घास खिलाओ।

(ग) प्यासे <u>को</u> पानी दो।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित <u>को</u> **कर्म कारक** का चिह्न है। इसी तरह तुम भी दो वाक्य बनाओ।

11. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

कंगन	=	कंकण, कलाई में पहनने वाला एक प्रकार का आभूषण	स्वर्ण	=	सोना
दलदल	=	कीचड़	लालच	=	लोभ
देर	=	विलंब	डर	=	भय
खतरा	=	विपत्ति	झपट	=	आक्रमण
सीख	=	शिक्षा	बटोही	=	पथिक

शिक्षण संकेत

शिक्षक-शिक्षिका बच्चों के द्वारा इस कहानी का अभिनय करवाएँ।